

## बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ सर्जरी

एमबीबीएस 5.5 साल की अवधि का एक स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रम है। एमबीबीएस का फुल फॉर्मेट मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी है। जो उम्मीदवार डॉक्टर बनना चाहते हैं उन्हें एमबीबीएस कोर्स पूरा करना होगा। शीर्ष एमबीबीएस कॉलेजों में एम्स, जिपमर, सीएमसी वेल्लोर आदि शामिल हैं।

एमबीबीएस कार्यक्रम 9 सेमेस्टर में फैला हुआ है और इसके बाद 6 महीने की इंटर्नशिप होती है। एमबीबीएस मुझे पाठ्यक्रम को एनाटॉमी, बायोकेमिस्ट्री और फिजियोलॉजी सहित पाठ्यक्रमों के साथ 3 खंडों में विभाजित किया गया है। एमबीबीएस पूरा करने के बाद, स्नातक डॉक्टर बन सकते हैं और 4-6 एलपीए का शुरुआती वेतन कमा सकते हैं। आवेदक निजी और सरकारी चिकित्सा केंद्रों, सशस्त्र बलों में रोजगार की तलाश कर सकते हैं और अपने निजी क्लिनिक चला सकते हैं।

एमबीबीएस पाठ्यक्रम विवरण

एमबीबीएस फुल फॉर्म	बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ सर्जरी, बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ
एमबीबीएस फुल फॉर्म लैटिन भाषा में	सर्जरी, बैचलर ऑफ सर्जरी, 5 साल 6 महीने की इंटर्नशिप
एमबीबीएस कोर्स की अवधि	
एमबीबीएस पाठ्यक्रम	बैचलर भट्ट था री
एमबीबीएस भर्ती	NEET
भारत में एमबीबीएस डिग्री और मेडिकल	19 पाठ
कॉलेज	एम्स, पीजीआईएमईआर, सीएमसी वे ल्यूर
एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुल्क	सरकार: 5000 - 20,000 रुपये
	अलग वेतन: INR 3,00,000 - 56,00,000
एमबीबीएस रास्ते	मेडिकल प्रैक्टिशनर, मेडिकल प्रैक्टिशनर, मेडिकल प्रैक्टिशनर

# एमबीबीएस परीक्षा

नीट ते रवूर (स्नातक चिकित्सा)

NEET (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा ) भारत में सामान्य चिकित्सा और दंत चिकित्सा में प्रवेश के लिए आयोजित एक प्रवेश परीक्षा है।

राष्ट्रीय पात्रता और प्रवेश परीक्षा (अंडरग्रेजुएट-मेडिकल) एनईईटी (मेडिकल) सारांश लिखित परीक्षा, •

(2013-2018) इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड  
प्रकार • राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (2019 से आगे)

नी रुआ की \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

योग्यता का मूल्यांकन जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिकी  
किया जाना है \_\_\_\_\_

नहीं सरकारी, निजी मेडिकल कॉलेज में अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में प्रवेश • 2013 (2014 और 2015 को छोड़कर) • पहले अखिल भारतीय प्री-मेडिकल

शुरू होने वाला साल परीक्षा 3 घंटे

अवधि

ग्रेड स्केल भुगतान -180 से +720

वर्ष में एक बार भारत भाषाएँ असमिया बंगाली अंग्रेजी गुजराती  
हिंदी

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
कन्नडा  
पहाड़ी नदी  
मराठी उड़िया  
तमिल ते  
लुंग पंचा  
बी उर्दू  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

वेबसाइट <https://neet.nta.nic.in/>

## उपस्थिति

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अधिनियम - 1956 संशोधन 2018 और दंत चिकित्सक अधिनियम 1948 संशोधन 2018 के अनुसार अखिल भारतीय राष्ट्रीय पात्रता और प्रवेश परीक्षा, अखिल भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में प्रवेश ( छोड़कर) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और जवाहरलाल लाल भट्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के तहत मेडिकल कॉलेज पात्रता निर्धारित करने के लिए इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित किए जाते हैं। तदनुसार यह प्रविष्टि 5 मई 2013 से आयोजित की जाएगी। वर्ष 2019 से, यह प्रविष्टि Votho Rvair Vai Te Siat Te Rvoor Agency द्वारा आयोजित की जाती है।

---

इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित यह

परीक्षा ऑल इंडि 1 प्री मेडिकल टेस्

गई है। आरडब्ल्यूएआर सभी सरकारी

प्रवेश कॉलेजों और निजी कॉलेजों के लिए लागू है। सरकार ने घोषणा की है कि परीक्षा 13 तमिल

भाषा वाले शहरों में आयोजित की जाएगी।

## तमिलनाडु की स्थिति

लता मुख्यमंत्री थीं तो उनोंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा तो वायरस का प्रतिरोध व्यापक है सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया गया. 23 नवंबर को मारुथु वामनई में चेयाललिता के इलाज के दौरान एक सरकारी आदेश जारी किया गया था कि यह योजना तमिल में भी लागू की जाएगी। 2017 में खबर आई थी कि चुनाव तमिल समेत 8 भाषाओं में होगा . तमिलनाडु में राजनेता अनिता नामक छात्रा की हत्या के विरोध में शामिल रहे हैं । परीक्षा केंद्र आवंटित नहीं किए गए थे और एक निश्चित संख्या में छात्रों को राजस्थान और केरल में केंद्र आवंटित किए गए थे और ऐसी स्थिति थी कि उन्होंने परीक्षा दी थी। साल 2018 में जब राज्य सरकार द्वारा आयोजित 12वीं कक्षा नीट के नतीजे जारी हुए तो विल्लुपुरम के पेरुवलूर गांव के एक मजदूर की बेटी प्रदीपा ने आत्महत्या कर ली. गौरतलब है कि उन्होंने 93.75 फीसदी अंक हासिल किए हैं. सामान्य परीक्षा में.

## आरक्षण

तमिलनाडु में सीट आरक्षण 2020 में,  
एआईएडीएमके के नेतृत्व वाली  
तमिलनाडु

रविर के सफल सरकारी स्कूलों में छठा स्थान

सीट आरक्षण प्रदान करने के लिए एक कानून पारित किया है। इनमें से 400 से अधिक सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों का चयन मेडिकल कॉलेजों में हुआ।

अखिल भारतीय आरक्षण 2021 से अखिल

भारतीय आरक्षण में धारवा सहित अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27% आरक्षण ; भारत सरकार ने भी कमजोर वर्गों को सरकार में 10% आरक्षण दिया है।

## चयन एवं मूल्यांकन पद्धति

वर्तमान (वर्ष 2018) प्रक्रिया के अनुसार इस परीक्षा में भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणीशास्त्र, प्राणिविज्ञान प्रत्येक विषय से 45 प्रश्न एवं कुल 180 प्रश्न होंगे। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंकों के आधार पर कुल 720 अंकों की परीक्षा आयोजित की जाती है। एक प्रश्न का सही उत्तर 4 अंक का होगा। गलत उत्तर वाले प्रश्नों के लिए 1 अंक काटा जाएगा। एक विद्यार्थी आवश्यकता को तीन बार लिख सकता है। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार 30 साल के भीतर तीन बार और अन्य 25 साल के भीतर तीन बार यह परीक्षा दे सकते हैं।

## परीक्षा में छात्रों की भागीदारी का विवरण

पुरुष को	प्रभु का दिन	पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या	डी रुर द्वारा लिखित मनावर्गों की संख्या	योग्य अभ्यर्थियों की संख्या
2021	05/09/2021 16,14,777	▲		
2020	13/09/2020 1,597,435	▲	1,366,945 ▼	771,500 ▼
2019	05/05/2019 1,519,375	▲	1,410,755	797,042

2018		1,326,725 ▲		
2017		1,138,890 ▲		
2016	2	802,594 ▲		
	1			
2015	परीक्षण नहीं हुआ (अखिल भारतीय मेडिकल प्री-टेस्ट)			
2014				
2013	05/05/2013 717127		658,040	366317